इतिहास (History)

अध्याय संबंधी परीक्षापयोगी महत्त्वपूर्ण तथ्य

☞ भारतीय राष्ट्रीय काँन्ग्रेस की स्थापना एक अवकाश प्राप्त अंग्रेज अधिकारी ए.ओ.ह्यूम द्वारा दिसंबर **1885** में की गई थी।

☞ भारतीय राष्ट्रीय काँन्ग्रेस का प्रथम अधिवेशन **28** दिसंबर, **1885** का बंबई के ग्वालिया टैंक में स्थित 'गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज' में हुआ।

☞ भारतीय राष्ट्रीय कांन्ग्रेस का नाम दादाभाई नौरोजी ने सुझाया था।

☞ भारतीय राष्ट्रीय काँन्ग्रेस के प्रथम अधिवेशन की अध्यक्षता व्योमेश चंद्र बनर्जी ने की थी।

☞ स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद गांधीजी ने भारतीय राष्ट्रीय काँन्ग्रेस को समाप्त करने का सुक्षाव दिया था।

☞ अमृतसर के भारतीय राष्ट्रीय काँन्ग्रेस अधिवेशन (**1919**) के प्रस्ताव के अनुसार महात्मा गांधी द्वारा काँन्ग्रेस का नया संविधान लिखने हेतु एन.सी. केलकर तथा आई.बी.सेन को चुना गया।

☞ **1921** के अहमदाबाद अधिवेशन में सी.आर.दास. को अध्यक्ष नामित किया गया, परंतु इस दौरान उनके जेल में रहने के कारण इस अधिवेशन की अध्यक्षता हकीम अजमल खां ने की और सी.आर.दास. ने जेल से काँन्ग्रेस अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

☞ लाला लाजपत राय ने 'यंग इंडिया' में लिखे एक लेख में ''काँन्ग्रेस का डफरिन के दिमाग की एक उपज बताया।''

☞ **1885** से **1905** तक भारतीय राष्ट्रीय काँन्ग्रेस में उदारवादी नेताओं का वर्चस्व रहा, इसलिये इस काल को उदारवादी चरण कहा जाता है।

☞ उदारवादी नेताओं में दादाभाई नौरोजी, सुरेंद्रनाथ बनर्जी, गोपाल कृष्ण गोखले, फिरोज शाह मेहता, मदन मोहन मालवीय आदि प्रमुख थे।

☞ लंदन में भारतीय राष्ट्रीय काँन्ग्रेस के लिए समर्थन प्राप्त करने के उद्देश्य से **1889** में विलियम वडरबर्न की अध्यक्षता में 'ब्रिटिश कमिटी ऑफ इंडिया' की स्थापना की गई।

☞ उग्रवादी नेताओं में लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चंद्र पाल तथा अरविंद घोष आदि प्रमुख थे।

☞ तिलक ने **1893** में गणपति महोत्सव तथा **1895** में शिवाजी महोत्सव की शुरूआत की।

☞ 'बंगवासी', 'केसरी' और 'द हिंदू' जैसे पत्र-पत्रिकाओं में कॉन्ग्रेस की उदारवादी नीतियों का विरोध किया गया।

☞ बाल गंगाधर तिलक को भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस का अध्यक्ष कभी नहीं चुना जा सका। 1 अगस्त, 1920 को तिलक की मृत्यु हो गई, उनकी मृत्यु के उपरांत उनकी अर्थी को महात्मा गांधी, शौकत अली तथा डॉ. सैफुद्दीन किचलू आदि नेताओं ने उठाया था।

☞ लाल, बाल, पाल त्रिगुट में मात्र लाला लाजपत राय ने 1920 में कलकत्ता के विशेष अधि वेशन की अध्यक्षता की।

☞ गवर्नर जनरल लॉर्ड कर्जन के काल में 1905 में बंगाल का विभाजन किया गया।

☞ बंगाल विभाजन सांप्रदायिक विभाजन था, पश्चिमी बंगाल हिंदू बहुल तथा पूर्वी बंगाल मुस्लिम बहुत क्षेत्र था।

☞ बंगाल विभाजन के विरोध में 7 अगस्त, 1905 में कलकत्ता के टाउन हॉल में हुई बैठक में स्वदेशी आंदोलन की घोषणा हुई तथा बहिष्कार प्रस्ताव पारित हुआ।

☞ 16 अक्टूबर, 1905 को लोगों ने बंगाल विभाजन के विरोध में 'शोक दिवस' मनाया।

☞ स्वदेशी आंदोलन में पहली बार महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

☞ 1906 में राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में दादाभाई नौरोजी ने अपने भाषण के दौरान पहली बार कॉग्रेस के मंच से 'स्वराज' शब्द का उल्लेख किया।

☞ ढाका के नवाब सलीमुल्लाह खाँ के नेतृत्व में 30 दिसंबर, 1906 को ढाका में आयोजित एक बैठक में 'अखिल भारतीय मुस्लिम लीग' की स्थापना की घोषणा की गई।

☞ 1909 में मॉर्ले-मिंटो सुधार के माध्यम से मुसलमानों के लिए पृथक् निर्वाचन मंडल की मांग स्वीकार कर ली गई।

☞ 1909 के मॉले-मिंटो सुधार के तहत केंद्रीय तथा प्रांतीय विधानमंडलों के आकार एवं उनकी शक्ति में वृद्धि की गई।

☞ 12 दिसंबर, 1911 की इंग्लैण्ड के सम्राट जॉर्ज पंचम तथा महारानी मैरी के स्वागत में एक भव्य दिल्ली दरबार का आयोजन किया गया। इसी आयोजन में बंगाल विभाजन रद्द किया गया।

☞ दिल्ली दरबार में ही भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा की गई।

☞ 1 नवंबर 1913 का संयुक्त राज्य अमेरिका के सैन फ्राँसिस्को नगर में लाला हरदयाल ने 'गदर पार्टी' की स्थापना की।

☞ गदर पार्टी द्वारा 'गदर' नामक साप्ताहिक पत्रिका का प्रकाशन किया गया।

☞ कामागाटामारू प्रकरण (1914) कनाडा में भारतीयों के प्रवेश से संबधित था, जिसमें ऐसे भारतीयों का प्रवेश वर्जित था, जो सीधे भारत से कनाडा न आए हो।

☞ प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) में उदारवादियों ने ताज के प्रति निष्ठा प्रकट की और ब्रिटेन को पूर्ण समर्थन दिया।

☞ प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ही दिसंबर 1915 में काबुल (अफगानिस्तान) में महेंद्र प्रताप के नेतृत्व में एक अस्थायी सरकार का गठन किया गया। बरकतुल्ला इस सरकार के प्रधानमंत्री नियुक्त किये गए थे। इस सरकार को जर्मनी व रूस ने मान्यता प्रदान की थी।

☞ 1916 में पूना में बाल गंगाधर तिलक ने 'होमरूल लीग' की स्थापना की।

☞ 'मराठा' (अंग्रेंजी में) व 'केसरी' (मराठी में) बाल गंगाधर तिलक के प्रमुख पत्र थे।

☞ 'कॉमनवील' व 'न्यू इंडिया' ऐनी बेसेंट की पत्रिका थी।

☞ 1916 में कॉन्ग्रेस के लखनऊ सम्मेलन की अध्यक्षता अंबिका चरण मजूमदार ने की थी।

☞ 1916 के लखनऊ अधिवेशन में कॉन्ग्रेस और मुस्लिम लीग एक साथ आए।

☞ दादाभाई नौरोजी की 'दि ग्रैड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाता है।

☞ अमीर अली के नेतृत्व में 1908 में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की एक शाखा लंदन में स्थापति की गई।

☞ बंगाल विभाजन के समय बंगाल का लेफ्टिनेंट गवर्नर सर एन्डूज फ्रेजर था।

☞ गांधीजी ने सर्वप्रथम दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद नीति के विरूद्ध आंदोलन छेड़ा। दक्षिण अफ्रीका में उन्होंने इंडियन ओपीनियन अखबार का प्रकाशन किया तथा 1904 में फीनिक्स आश्रम की स्थापना की।

☞ गांधीजी ने भारत वापसी (1915) के पश्चात् सर्वप्रथम (1917) में चंपारण आंदोलन का नेतृत्व किया, इसी आंदोलन की सफलता के बाद उन्हें राष्ट्रीय पहचान मिली।

☞ चंपारण (बिहार) में यूरोपीय अधिकारियों ने किसानों से एक अनुबंध कर लिया था कि वे अपनी भूमि के 3/20 वे हिस्से पर अनिवार्यतः नील की खेती करेंगे, जो 'तीनकठिया' के नाम से जानी गई।

☞ गांधीजी का प्रथम जन आंदोलन 'रौलेट एक्ट' (1919) का विरोध था। रौलेट एक्ट के तहत अंग्रेजी सरकार जिसको चाहे जब तक चाहे बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रख सकती थी। जनता ने इसे 'काला कानून' की संज्ञा दी।

☞ 13 अप्रैल, 1919 को भारतीय इतिहास का सबसे नृशंस हत्याकांड जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड माना जाता है, जब जलियाँवाला बाग में लोग अपने नेता डॉ. किचलू और डॉ.

सत्यपाल की गिरफ्तारी के विरोध में शांतिमय जनसभा कर रहे थे, उसी समय अंग्रेज जनरल डायर ने निहत्थे लोगों पर गोलियाँ चलाने का आदेश दिया।

☞ जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में रवींद्रनाथ टैगोर ने 'नाइटहुड' की उपाधि वापस कर दी। वायसराय की कार्यकारिणी के सदस्य शंकर नायर ने त्याग पत्र दे दिया।

☞ खिलाफत आंदोलन के साथ ही **1920-21** में गांधीजी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन चलाया गया।

☞ संयुक्त प्रांत के गोरखपुर जिले में चौरी-चौरा हत्याकांड (**5** फरवरी, **1922**) के बाद गांधीजी ने असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया।

☞ **1923** में कॉन्ग्रेस सदस्यों को विधानमंडलों में प्रवेश के विचार से मोतीलाल नेहरू और सी. आर.दास ने स्वराज पार्टी का गठन किया।

☞ काकोरी षड्यंत्र केस के तहत राम प्रसाद बिसिमिल, अशफाक उल्ला खाँ, रोशनलाल तथा राजेंद्र लाहिरी को फाँसी की संज्ञा दी गई।

☞ सेंट्रल लेजिस्लेटिव असंबेली में बम फेकने के आरोप में भगत सिंह, बटुकेश्वर दत्त तथा उनके अन्य साथियों पर लौहर षड्यंत्र केस के तहत मुकदमा चलाया गया। इसी केस के अंतर्गत जेल में भूख हड़ताल पर बैठे क्रांतिकारी जतिन दास की **64** दिन बाद मृत्यु हो गई। बाद में भगत सिंह, सुखदेव तथा राजगुरू पर मुकदमा चलाकर फाँसी की सजा सुनाई गई।

☞ **1927** में सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में साइमन कमीशन का गठन किया गया। आयोग में सभी अंग्रेज सदस्यों के कारण भारतीयों ने इसका विरोध किया। इस आयोग को वर्तमान सरकारी व्यवस्था, शिक्षा के प्रसार तथा प्रतिनिधि संस्थाओं के अध्ययन के पश्चात् यह रिपोर्ट देनी थी कि भारत में उत्तरदायी सरकार की स्थापना कहाँ तक लाजिमी है तथा इसके लिए भारत कहाँ तक तैयार है।

☞ अगस्त **1928** में मोतिलाल नेहरू की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट में प्रस्तुत की, जिसे 'नेहरू रिपोर्ट' के नाम से जाना जाता है इस रिपोर्ट में ऐसे संविधान निर्माण की योजना थी, जिसमें पूर्ण उत्तरदायी सरकार की व्यवस्था होगी।

☞ सर्वप्रथम कॉन्ग्रेस कार्यसमिति द्वारा निर्धारित किया गया कि **26** जनवरी, **1930** का दिन 'पूर्ण स्वराज' के रूप में मनाया जाएगा।

☞ गांधीजी की **11** सूत्रीय मांगो को वायसराय इरविन द्वारा ठुकराए जाने के प्रतिक्रियास्वरूप सविनय अवज्ञा आंदोलन के तहत महात्मा गांधी ने **12** मार्च **1930** को ऐतिहासिक सत्याग्रह की शुरूआत की।

☞ इसी सत्याग्रह के दौरान गांधीजी साबरमती आश्रम से अपने **78** अनुयायियों के साथ **240** (कुछ स्रोतो मे **241**) मील की लंबी पद यात्रा के बाद **5** अप्रैल **1930** को दांडी पहुँचे जहाँ

6 अप्रैल 1930 को नमक बनाकर नमक कानून तोड़ा।

- ☞ 12 नवंबर, 1930 साइमन कमीशन की रिपोर्ट तथा संवैधानिक मुद्दो पर चर्चा के लिए लंदन में प्रथम गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया। 19 जनवरी 1931 को बिना किसी वास्तविक उपलब्धि के वह सम्मेलन समाप्त हो गया।
- ☞ गांधी-इरविन समझौता (5 मार्च, 1931) के बाद सविनय अवज्ञा आंदोलन वापस ले लिया गया। इसी समझौते के तहत गांधीजी व काँन्ग्रेस ने द्वितीय गोलमेज सम्मेलन मे शमिल होने के लिये सहमति जताई।
- ☞ ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैकडोनाल्ड ने 16 अगस्त 1932 को विभिन्न संप्रदायों के प्रतिनिधित्व के विषय पर एक पंचाट घोषित किया, जिसे 'सांप्रदायिक पंचाट' कहा गया। इसमें मुस्लिम, सिख, ईसाई के साथ-साथ दलितों को भी अल्पसंख्यक मानकर पृथक् निर्वाचन का अधिकार दिया गया।
- ☞ 17 नवंबर, 1932 को लंदन में तृतीय गोल मेज सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- ☞ डॉ. भीमराव अम्बेडकर एक ऐसे भारतीय थे, जिन्होने तीनो गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया।
- ☞ लॉर्ड लिनलिथगों ने द्वितीय विश्व युद्ध में कान्ग्रेस का सहयोग प्राप्त करने के लिये उनके समक्ष एक प्रस्ताव रखा जिसे 'अगस्त प्रस्ताव' का नाम दिया गया। इस प्रस्ताव के अंतर्गत अंतरिम सरकार के गठन की मांग को खारिज कर दिया गया।
- ☞ व्यक्तिगत सत्याग्रह के अंतर्गत पहले सत्याग्रही विनोबा भावे तथा दूसरे सत्याग्रही जवाहरलाल नेहरू थे।
- ☞ 11 मार्च, 1942 को तात्कालिक ब्रिटिश प्रधानमंत्री चर्चित ने क्रिप्स मिशन की घोघणा की । 23 मार्च, 1942 को क्रिप्स मिशन भारत पहुँचा। क्रिप्स मिशन भारत पहुँचा। क्रिप्स मिशन के प्रस्तावों को काँन्ग्रेस तथा मुस्लिम लीग दोनों ने अस्वीकार कर दिया। महात्मा गांधी ने क्रिप्स प्रस्तावों को 'उत्तर दिनांकित चेक' (Post Dated Cheque) कहा।
- ☞ क्रिप्स मिशन की वापसी के बाद गांधीजी द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का कॉन्ग्रेस की वर्धा बैठक में स्वीकार कर लिया गया जो 'भारत छोड़ो आंदोलन' का प्रस्ताव था।
- ☞ 'भारत छोड़ो आंदोलन' (1942) को 'अगस्त क्रांति' के नाम से भी जाना जाता है। भारत छोड़ो आंदोलन स्वतंत्रता संग्राम को अंतिम महान लड़ाई थी।
- ☞ काँन्ग्रेस की ग्वालिया टैक, बंबई (8 अगस्त, 1942) बैठक में 'अंग्रेजो भारत छोड़ों' का प्रस्ताव पारित किया गया।
- ☞ आजाद हिंद फौज का विचार सबसे पहले मोहन सिंह के मन में आया, वे ब्रिटेन की भारतीय सेना के अधिकारी थे।
- ☞ 1 सितंबर 1942 को आजाद हिंद फौज की पहली डिवीजन का गठन किया गया।

☞ 2 जुलाई, 1943 को सुभाष चंद्र बोस सिंगापुर पहुँचे। इन्हें आजाद हिंद फौज का सर्वोच्च सेनापति घोषित किया गया।

☞ लाल किला मुकदमा (1945) आजाद हिंद फौज के सिपाही सरदार गुरूबख्श सिंह, श्री प्रेम सहगल तथा शाहनवाज पर चलाया गया। अदालत में इनकी वकालत भूलाभाई देसाई, तेज बहादुर सप्रू, काटजू तथा जवाहरलाल नेहरू ने की।

☞ सी.आर. फॉर्मूला, राजगोपालाचारी द्वारा 1944 में लाया गया, जिसमें काँग्रेस और मुस्लिम लीग के समझौते की बात रखी गई।

☞ अक्टूबर 1943 में लिनलिथगो की जगह लॉर्ड वेवेल भारत के वायसराय बनकर आए। 14 जून, 1945 को वेवेल द्वारा 'वेबेल योजन' प्रस्तुत की गई।

☞ वेवेल प्रस्ताव पर विचार-विमर्श हेतु जून 1945 में शिमला सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुस्लिम लीग की अनुचित मांगों के कारण यह सम्मेलन असफल रहा।

☞ भारतीय नेताओं से अनौपचारिक स्तर पर बातचीत के लिए 24 मार्च, 1946 को कैबिनेट मिशन भारत आया। कैबिनेट मिशन के सदस्यो में शामिल थे- सर स्टैफोर्ड क्रिप्स, ए.वी. अलेक्जेंडर तथा पेथिक लॉरेस।

☞ कैबिनेट मिशन की संस्तुतियों के आधार पर संविधान सभा का गठन किया गया।

☞ 9 दिसंबर, 1946 को डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा की अस्थायी अध्यक्षता में संविधान सभा की पहली बैठक आयोजित की गई।

☞ 11 दिसंबर, 1946 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष बनाया गया।

☞ अगस्त 1946 में पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारत की पहली अंतरिम राष्ट्रीय सरकार की घोषणा की गई, इसमें मुस्लिम लीग की भागीदारी नहीं थी।

☞ 3 जून, 1947 को माउंटबेटन ने भारत के विभाजन के साथ सत्ता हस्तांतरण की एक योजना प्रस्तुत की, जिसे माउंटबेटन योजना कहा जाता है।

☞ माउंटबेटन योजना के आधार पर ब्रिटिश संसद ने 18 जुलाई 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 पारित किया। इस अधिनियम के तहत ही 15 अगस्त, 1947 को भारत व पाकिस्तान को डोमिनियन का दर्जा प्राप्त हुआ।